अपनी शक्तियों को...

निंदा के गंदे नाले में न बहने दें

हमारा जीवन बहुत मूल्यवान है। यदि हम व्यर्थ संकल्पों में रहेंगे तो हम बड़े कार्य कैसे कर पायेंगे, सब चिंतन करें। हमें ईश्वरीय कार्य में भी बड़ा सहयोग करना है। और अपने लौकिक कार्यों को भी हर कदम, हर दिन सफल करना है। यदि हम व्यर्थ के शिकार रहे तो ये दोनों ही मंज़िल नहीं मिलेंगी। हम बहुत पीछे रह जायेंगे। एकाग्रता तो नष्ट हो ही जाती है ये सभी जानते हैं। पढ़ाई में बच्चे ज़्यादा सोचने लगें तो एकाग्रता न होने से मेहनत बहुत पड़ेगी, और याद कम होगा। परेशानियां, निराशा बढ़ेंगी इसलिए मन में सुन्दर संकल्प करें। मुझे अपने मन को व्यर्थ संकल्पों से मुक्त रखना है। और जो चीज़ें व्यर्थ को बढ़ाने वाली हैं उनको छोड़ देना सीधी-सी बात।

किसी पेशेन्ट को अपने को डायबिटीज से मुक्त रखना है तो उसे चीनी, मीठा छोड़ना ही पड़ता है ना! ये तो नहीं कि शुगर भी कंट्रोल करनी है और मिठाई भी खूब खा रहे हैं। नहीं चलेगा ना! जब हमें व्यर्थ संकल्पों को समाप्त करना है तो वो चीज़ें जो व्यर्थ को बढ़ावा दे रही हैं उन्हें पहचान लें। कई लोगों को पहचान नहीं होती। और कई लोग ऐसे हैं युवा जिनको पता है कि हम बहुत ज़्यादा सोचने लगे हैं, व्यर्थ सोचने लगे हैं लेकिन कंट्रोल नहीं कर पाते। दोनों ही चीज़ों में चर्चा करनी है। हम चर्चा कर रहे थे कि निंदा होती है तो मनुष्य अपने कदमों को रोकने लगता है, निराश भी होता है और उसका उमंग-उत्साह भी कम होता है। और व्यर्थ का वेग बढ़ जाता है। हम चिंतन करेंगे देखिए इस संसार में जितने भी महान पुरुष हुए, आपने जिनकी भी बायोग्राफी या उनके बारे में कुछ सुना हो, बायोग्राफी पढ़ी हो। आपको पता चलेगा कि उसने जितने भी बड़े कार्य किए उसकी निंदा बहुत हुई। अब श्रीकृष्ण को ही ले लीजिए। वो तो इस सृष्टि की सबसे महान आत्मा, सबसे पॉवरफुल जिसके हाथ में सब सत्तायें थीं, हम ऐसा कह सकते हैं। लेकिन कितनी निंदा हुई! महाभारत सीरियल सबने देखा है, उसके निंदकों की कोई कमी नहीं थी। महात्मा गांधी को ही देख लीजिए... हमारे देश में उसके कार्यों की, उसकी प्लानिंग की, उसके आंदोलनों की निंदा करने वालों की क्या कमी थी! स्वामी विवेकानंद को ले लीजिए, स्वामी दयानंद सरस्वती को ले लीजिए जितना व्यक्ति आगे बढ़ता है, जितनी उसकी प्रशंसा होती है, जितना वो दुनिया से हटकर कार्य करता है उतनी उसकी निंदा होती है।

अब ये संसार पाप के गंदे नाले में बहा जा रहा है। जो पाप कर रहे हैं वो खुश हैं, लेकिन कोई पुण्य करने लगे तो लोग उसकी निंदा करेंगे कि ये गंदे नाले को छोड़कर पवित्र गंगा में क्यों नहाने लगा। करेंगे ना, आप सब जानते हैं। तो हम सभी जिनको भी महान कार्य करना है चाहे वो स्टूडेंट हो, बड़ा कम्पटीशन आपको क्लीयर करना है,

अब ये संसार पाप के गंदे नाले में बहा जा रहा है। जो पाप कर रहे हैं वो खुश हैं, लेकिन कोई पुण्य करने लगे तो लोग उसकी निंदा करेंगे कि ये गंदे नाले को छोड़कर पवित्र गंगा में क्यों नहाने लगा। करेंगे ना, आप सब जानते हैं ना!

बड़ी जॉब आपको पानी है, आप बिज़नेसमैन हो, आपको दिनोंदिन उन्नति करनी है। आप कोई उद्योगपति हैं,आपको आगे बढ़ते रहना है। नया-नया उद्योग शुरू करना है कम्पीटिशन भी है, आलोचक भी बहुत होंगे, निंदा करने वाले होंगे लेकिन जो मनुष्य निंदा सुनकर रूकता नहीं, जो निंदा सुनने पर अपने प्रयासों को छोड़ नहीं देता, जो निंदा सुनकर व्यर्थ की दलदल में फँसकर निराशा के अंधकार में डूब नहीं जाता ऐसा व्यक्ति सदा विजयी होता है, आगे बढ़ता है।

आपने सुना होगा कि कोई एक पैर वाले लोगों ने एवरेस्ट की चोटी फतेह कर ली। लोग उनका मज़ाक नहीं कर रहे होंगे! लंगड़ा वो चला है एवरेस्ट चढ़ने। लेकिन उन्होंने अपनी हिम्मत-उमंग वो नहीं छोड़ा। इसलिए स्वीकार कर लें महिमा होती है तो निंदा भी होगी। महान कार्य करेंगे तो निंदा भी होगी, लेकिन हमें सीखते भी चलना है। अपने को चेंज करते भी चलना है। अपने को व्यर्थ के प्रभाव से रोकना है। कई बहुत ज़्यादा सोचते हैं कि अगर हम अच्छा काम करें तो लोग बोलते हैं और बुरा करें तो भी बोलते हैं। हमें अपने को इतना सेंसिटिव नहीं बनाना है, कमज़ोर नहीं करना है। बड़े कार्य हम तभी कर सकेंगे जब व्यर्थ को समाप्त करने के लिए निंदा-स्तुति, मान-अपमान, हार-जीत में हमें समान रहना है। हमें इतना पॉवरफुल बनना है। ये स्वीकार कर लें तो बहुत सारे व्यर्थ संकल्प समाप्त हो जायेंगे कि ये मेरी निंदा थोड़े हो रही है। प्राइम मिनिस्टर देखो कितने बड़े-बड़े काम कर रहे हैं उनके अगर सौ प्रशंसक हैं तो दस-बीस निंदक भी होंगे। अब वो परेशान हो जायें निंदा सुनके, उनकी नींद खत्म हो जाये, वो रात-दिन व्यर्थ सोचने लगें, दूसरों के लिए बुरा सोचने लगें, इन्हें नष्ट करता हूँ तो कैसे चलेगा! इसलिए अपने व्यर्थ को रोकना है।

हम बहुत शक्तिशाली हैं, व्यर्थ के चक्रव्यूह में हम उलझ नहीं सकते। व्यर्थ आ गया तो बड़े काम नहीं कर पायेंगे। हमारे हर संकल्प से एनर्जी जनरेट होती है, पैदा होती है। वो सबसे पहले ब्रेन में जाती है, पूरे शरीर में फैलती है, चारों ओर फैलती है फिर वातावरण को चेंज करती है। हमारे चारों ओर औरा बनाती है, आभामंडल बनाती है ये भूलेंगे नहीं। इसलिए व्यर्थ से मुक्त होने का संकल्प करें। और जो ज्ञानी आत्मायें हैं, जो राजयोग के पथ पर हैं उन्हें जान लेना चाहिए जब हम व्यर्थ संकल्पों से पूरी तरह से मुक्त हो जायेंगे तब हम सम्पूर्ण बन जायेंगे। लक्ष्य तो यही है ना सभी का! तो ज्ञान की प्वाइंट्स को यूज़ करके जिसे हम कहते हैं ज्ञान का बल है उसे यूज़ करके हम व्यर्थ को स्टॉप करना सीखें। व्यर्थ में दूर तक न निकल जायें, ये ध्यान रखना है। दूर तक निकल गये, गाड़ी बहुत फास्ट चलाने लगे और ब्रेक मारने पड़े तो मुश्किल हो जायेगी। मन बहुत फास्ट भागने लगा हम चाहें तो उसको मन को रोकना शायद असम्भव ही हो जायेगा। इसलिए उसकी गति को फास्ट होने ही न दें। तो अच्छे-अच्छे स्वमान अपने पास रख लें। मैं आज आपको स्वमान दे रहा हूँ। मैं विश्वकल्याणकारी हूँ, मुझे अपनी मनसा शक्ति के द्वारा भी विश्व का कल्याण करना है। सबको सुख देना है, दुःख हरने हैं ये संकल्प करेंगे। तो व्यर्थ संकल्पों की गति धीमी हो जायेगी और जीवन सुखी हो जायेगा।

गंगटोक-सिक्किम। माननीय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमंग को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सोनम बहन।

सोनीपत-हरियाणा। कविता जैन,राजनीतिज्ञ एवं पूर्व मंत्री,हरियाणा सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. प्रमोद दीदी।

दिल्ली-लॉरेन्स रोड। प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं सांसद हेमा मालिनी को ओमेक्स इटरनिटी,वृंदावन में रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. रोशनी बहन।

कोटा-राज.। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. उर्मिला बहन व ब्र.कु. ज्योति बहन,वल्लभ नगर।

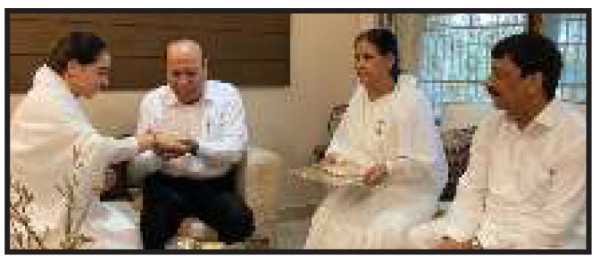

जलंधर-407आदर्श नगर(पंजाब)। सिटी मेयर जगदीश राज राजा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. संधिरा बहन। साथ हैं ब्र.कु. विजय बहन व ब्र.कु. डॉ. आर.एल. बस्सन।

ब्यावर-राज.। ब्यावर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शंकर सिंह रावत को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सौम्या बहन।

फतेहगढ़-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में ब्रिगेडियर हरबीर सिंह,कमाण्डेंट सिख लाई फतेहगढ़, विधायक डॉ. सुरभी गंगवार,कायमगंज, कुलदीप गंगवार,प्रेसिडेंट को-ऑपरेटिव बैंक, पूर्व विधायक बहन भारती जी,साइकोलॉजिस्ट, डॉ. रजनी सरीन,गायनिक्स एंड सोशल वेलफेयर, डी.एस. राठोड़,महामंत्री बीजेपी, ब्र.कु. सुमन बहन आदि उपस्थित रहे।

मोहाली-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा केन्द्रीय विद्यालय से.8 में आयोजित 'रक्षाबंधन' कार्यक्रम में ब्र.कु. मीना बहन, ब्र.कु. सुमन बहन, स्कूल के प्रिंसिपल, सभी स्टाफ तथा लगभग 550 विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से सभी को ईश्वरीय रक्षासूत्र बांधा गया।

कालपी-उ.प्र.। समाजसेवी डॉ. रामनरेश मेहर को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. ममता बहन, ब्र.कु. ललिता बहन तथा अन्य।

सिरसा-शांति सरोवर (हरियाणा)। डिप्टी कमिश्नर अजय तोमर को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. बिन्दू बहन।

होशियारपुर-पंजाब। जिला जेल अधीक्षक अनुराग आज़ाद, डिप्टी जेल अधीक्षक अमृतपाल व अन्य पुलिस कर्मियों को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी बहन। साथ हैं राधा बहन, अवतार भाई व चमन भाई।

सोनेपुर-ओडिशा। सेवाकेन्द्र में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए एडिशनल एसपी हेमंत कुमार पाढ़ी। मंचासीन हैं एसबीआई के चीफ मैनेजर सरत कुमार देहुरी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. स्नेहा बहन तथा अन्य।